



# चुनौतियों की कसौटी पर 22 साल की झारखंड विधानसभा

## झारखंड की जनता को राज्य की सबसे बड़ी पंचायत से क्या मिला

झारखंड की सबसे बड़ी पंचायत, यानी विधानसभा 22 साल की हो गयी। किसी भी संस्था के लिए 22 साल का कालखंड उसके कामकाज की समीक्षा के लिए काफी होता है और यही कारण है कि झारखंड विधानसभा के अब तक के सफरनामे पर एक दृष्टि डाली जाये। आम तौर पर कहा जा सकता है कि झारखंड विधानसभा ने राज्य की सवा तीन करोड़ आवादी की आकाशाओं पर यदि पूरी तरह खरा नहीं उतरी है, तो इसने

झारखंड को निराश भी नहीं होने दिया है, हालांकि इसके साथ विवाद हमेशा जुड़े रहे। वर्ष 2000 में जब पहली विधानसभा अस्तित्व में आयी थी, तब से लेकर आज तक हर बार कोई न कोई विवादित मुद्दा इसके

साथ जुड़ता रहा। चाहे वह विधानसभा की स्थापना से संबंधित विवाद हो या फिर कार्यवाही के दोषान विभिन्न पक्षों के व्यवहार की। इन विवादों के बावजूद सदन ने कई बार सकारात्मक और सार्थक चर्चा कर

झारखंड के हित में महत्वपूर्ण फैसले लिये और ऐसी नीतियां बनायीं, जिन पर चल कर झारखंड को लाभ ही मिला। सरना धर्म कोड, 1932 के खतियान पर आधारित स्थानीयता नीति और अबीसी आरक्षण को बढ़ाने समेत कई ऐतिहासिक फैसले पांचवीं विधानसभा में हुए। झारखंड विधानसभा के 22 साल के सफरनामे पर नजर दौड़ा रहे हैं जो आजाद सिपाही के विशेष संवाददाता सकेश सिंह।



राकेश सिंह

आज से ठीक 22 साल पहले 22 नवंबर 2000 को जब झारखंड की पहली विधानसभा अस्तित्व में आयी थी और एचडीसी इलाके में स्थित रसियन हार्स्टल के लेनन हॉल में इसके पहली बैठक होनी थी, उस समय सदन के पहले उपायक बागुन सुंबुर्द ने कहा था कि इस सदन में झारखंडीयों के सपने आकर ले ले और उन्हें उड़ने की ताक मिलेगी। उन्होंने कहा था कि इसके पहले इसे वर्ष 2000 को होने तक इंतजार करना होगा अभी तो इसके खेलने-खाने के दिन है। बागुन सुंबुर्द की उस टिप्पणी को उस समय राजनीतिक दृष्टि से विवादित करार दिया गया था, लेकिन आज जब झारखंड विधानसभा अपनी 22वीं



के लिए हरसंभव प्रयास किया। इसके बावजूद झारखंड की कोई भी विधानसभा विवादों से लेकर, झारखंड विधानसभा का विवादों ने अपने भवन में काम विनाश किया, जबकि विवादों ने हरदम पौछा किया। खास कर दलबदल संबंधी विवादों को लेकर विधानसभा की छवि पर जो दाग लगे, उसे लेकर झारखंड विधानसभा के साथ भी लागू होती है। यह कहावत झारखंड विधानसभा के लिए बाहरी विवादों में चिंता भी जाहिर की गयी।

घरी। चाहे घोटालों को लेकर हो या फिर सदन की कार्यवाही को लेकर, झारखंड विधानसभा का विवादों ने हरदम पौछा किया। यह चाहिए था कि इस मंच का इस्तेमाल केवल राज्यहित के लिए जिसका नाम दर्ज होता है और अध्यक्ष कह चुके हैं कि वह बहुत जल्द इस पर फैसला सुनायें। यदि ऐसा होता है, तो वह भी एक रिकॉर्ड ही बना लिया, जब

अध्यक्ष ने पूरे पांच साल तक इस मामले की सुनवाई की और सदन की अवधि पूरी होने से ठीक पहले राजनीतिक दल ने अपने हित के लिए इस्तेमाल किया, जबकि होना यह चाहिए था कि इस मंच का इस्तेमाल केवल राज्यहित के लिए जिसका नाम दर्ज होता है और अध्यक्ष कह चुके हैं कि वह बहुत जल्द इस पर फैसला सुनायें। यदि ऐसा होता है, तो वह भी एक रिकॉर्ड ही बना लिया, जब

## मुंबई में मना 22वां झारखंड स्थापना दिवस महोत्सव

### गिरिडीह के उद्योगपति मोहन प्रसाद साव, प्रवासी ग्रुप संचालक सिकंदर अली समेत कई शख्सियत सम्मानित

सुधीर सिंह



मिरिडीह (आजाद सिपाही)। मुंबई के दादर में रिश्त शिवाजी महाराज हाल में 18 नवंबर को 22वां झारखंड स्थापना दिवस महोत्सव धूमधारा से मनाया गया। झारखंडवासी परिवर्तन संघ द्वारा आयोजित इस समारोह में गिरिडीह समेत देश स्तर के साहित्य, फिल्म और राजनीति से जुड़े 22 प्रसिद्ध हस्तियों को पुष्प गुच्छ, शाल और अवॉर्ड देकर सम्मानित किया गया।

त्रैमासिक पत्रिका 'अपान झारखंड' का हुआ विचारन : झारखंडवासी परिवर्तन संघ के बैनर तले आयोजित आहूत इस समारोह में बौतूर मुख्य अधिकारी के प्रधानमंत्री नंदेंद्र मोदी के भाई प्रह्लाद दामोदर मोदी उपरित्यथे।

वहीं समारोह के दौरान झारखंडवासी परिवर्तन संघ का आयोजित आशीष परिवर्तन संघ के बैनर तले आयोजित आहूत इस समारोह में बौतूर मुख्य अधिकारी के प्रधानमंत्री नंदेंद्र मोदी के भाई प्रह्लाद दामोदर मोदी उपरित्यथे।

वहीं समारोह के दौरान झारखंडवासी परिवर्तन संघ का आयोजित आशीष परिवर्तन संघ के बैनर तले आयोजित आहूत इस समारोह में बौतूर मुख्य अधिकारी के प्रधानमंत्री नंदेंद्र मोदी के भाई प्रह्लाद दामोदर मोदी उपरित्यथे।

वहीं समारोह के दौरान झारखंडवासी परिवर्तन संघ का आयोजित आशीष परिवर्तन संघ के बैनर तले आयोजित आहूत इस समारोह में बौतूर मुख्य अधिकारी के प्रधानमंत्री नंदेंद्र मोदी के भाई प्रह्लाद दामोदर मोदी उपरित्यथे।

वहीं समारोह के दौरान झारखंडवासी परिवर्तन संघ का आयोजित आशीष परिवर्तन संघ के बैनर तले आयोजित आहूत इस समारोह में बौतूर मुख्य अधिकारी के प्रधानमंत्री नंदेंद्र मोदी के भाई प्रह्लाद दामोदर मोदी उपरित्यथे।

वहीं समारोह के दौरान झारखंडवासी परिवर्तन संघ का आयोजित आशीष परिवर्तन संघ के बैनर तले आयोजित आहूत इस समारोह में बौतूर मुख्य अधिकारी के प्रधानमंत्री नंदेंद्र मोदी के भाई प्रह्लाद दामोदर मोदी उपरित्यथे।

वहीं समारोह के दौरान झारखंडवासी परिवर्तन संघ का आयोजित आशीष परिवर्तन संघ के बैनर तले आयोजित आहूत इस समारोह में बौतूर मुख्य अधिकारी के प्रधानमंत्री नंदेंद्र मोदी के भाई प्रह्लाद दामोदर मोदी उपरित्यथे।

वहीं समारोह के दौरान झारखंडवासी परिवर्तन संघ का आयोजित आशीष परिवर्तन संघ के बैनर तले आयोजित आहूत इस समारोह में बौतूर मुख्य अधिकारी के प्रधानमंत्री नंदेंद्र मोदी के भाई प्रह्लाद दामोदर मोदी उपरित्यथे।

वहीं समारोह के दौरान झारखंडवासी परिवर्तन संघ का आयोजित आशीष परिवर्तन संघ के बैनर तले आयोजित आहूत इस समारोह में बौतूर मुख्य अधिकारी के प्रधानमंत्री नंदेंद्र मोदी के भाई प्रह्लाद दामोदर मोदी उपरित्यथे।

वहीं समारोह के दौरान झारखंडवासी परिवर्तन संघ का आयोजित आशीष परिवर्तन संघ के बैनर तले आयोजित आहूत इस समारोह में बौतूर मुख्य अधिकारी के प्रधानमंत्री नंदेंद्र मोदी के भाई प्रह्लाद दामोदर मोदी उपरित्यथे।

वहीं समारोह के दौरान झारखंडवासी परिवर्तन संघ का आयोजित आशीष परिवर्तन संघ के बैनर तले आयोजित आहूत इस समारोह में बौतूर मुख्य अधिकारी के प्रधानमंत्री नंदेंद्र मोदी के भाई प्रह्लाद दामोदर मोदी उपरित्यथे।

वहीं समारोह के दौरान झारखंडवासी परिवर्तन संघ का आयोजित आशीष परिवर्तन संघ के बैनर तले आयोजित आहूत इस समारोह में बौतूर मुख्य अधिकारी के प्रधानमंत्री नंदेंद्र मोदी के भाई प्रह्लाद दामोदर मोदी उपरित्यथे।

वहीं समारोह के दौरान झारखंडवासी परिवर्तन संघ का आयोजित आशीष परिवर्तन संघ के बैनर तले आयोजित आहूत इस समारोह में बौतूर मुख्य अधिकारी के प्रधानमंत्री नंदेंद्र मोदी के भाई प्रह्लाद दामोदर मोदी उपरित्यथे।

वहीं समारोह के दौरान झारखंडवासी परिवर्तन संघ का आयोजित आशीष परिवर्तन संघ के बैनर तले आयोजित आहूत इस समारोह में बौतूर मुख्य अधिकारी के प्रधानमंत्री नंदेंद्र मोदी के भाई प्रह्लाद दामोदर मोदी उपरित्यथे।

वहीं समारोह के दौरान झारखंडवासी परिवर्तन संघ का आयोजित आशीष परिवर्तन संघ के बैनर तले आयोजित आहूत इस समारोह में बौतूर मुख्य अधिकारी के प्रधानमंत्री नंदेंद्र मोदी के भाई प्रह्लाद दामोदर मोदी उपरित्यथे।

वहीं समारोह के दौरान झारखंडवासी परिवर्तन संघ का आयोजित आशीष परिवर्तन संघ के बैनर तले आयोजित आहूत इस समारोह में बौतूर मुख्य अधिकारी के प्रधानमंत्री नंदेंद्र मोदी के भाई प्रह्लाद दामोदर मोदी उपरित्यथे।

वहीं समारोह के दौरान झारखंडवासी परिवर्तन संघ का आयोजित आशीष परिवर्तन संघ के बैनर तले आयोजित आहूत इस समारोह में बौतूर मुख्य अधिकारी के प्रधानमंत्री नंदेंद्र मोदी के भाई प्रह्लाद दामोदर मोदी उपरित्यथे।

वहीं समारोह के दौरान झारखंडवासी परिवर्तन संघ का आयोजित आशीष परिवर्तन संघ के बैनर तले आयोजित आहूत इस समारोह में बौतूर मुख्य अधिकारी के प्रधानमंत्री नंदेंद्र मोदी के भाई प्रह्लाद दामोदर मोदी उपरित्यथे।

वहीं समारोह के दौ







# संपादकीय

## कैसे लगे आतंक पर रोक

न यह दिल्ली में पिछले सप्ताह हुए दो दिवसीय 'नो ममी फॉर ट्रेर' कार्प्रॉफ्स में भारत ने जिस तरह के सख्त रुख का परिचय दिया था वह इस बात का संकेत है कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई के नये चरण में ढलमुल रखें के लिए, कोई गुणात्मक नहीं छोड़ी जाएगी। सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि कुछ देशों ने आतंकवाद के समर्थन को अपनी विदेश नीति का हिस्सा बना लिया है और कुछ आतंकवादियों के खिलाफ कानून का रुकवा कर इसे परोक्ष समर्थन देते हैं। पांच मोदी ने किसी देश का नाम भले नहीं लिया हो, लेकिन उनका सष्टु इशारा पाकिस्तान और चीन की ओर था। चीन ने पिछले कुछ महीनों में जिस तरह से एक पाकिस्तानी आतंकवादियों को संयुक्त राष्ट्र की काली सूची में डाले जाने से बचाया है, वह जागजार है। लेकिन प्रश्नान्वयी मोदी इतना ही कह नहीं सके। उन्होंने कहा कि जो भी देश आतंकवाद का समर्थन करते हैं, ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए कि उन्हें इसकी कीमत चुकानी पड़े। भारत के इस कड़े रुख की अहमियत इस लिहाज से भी है कि वह नो ममी फॉर ट्रेर सम्मेलन के मंच से समाप्त आया है। 2015 में परिस में हुए भीषण आतंकी हमले की वृष्टिभूमि में फ्रांस ने 2018 में पहली बार

इस सम्मेलन का आयोजन किया था। तब से हालांकि वह तीसरा ही आयोजन है। इस सम्मेलन का, लेकिन फिर भी सष्टु है कि वह आतंकवाद के विरोध का एक प्रभावी मंच बन सकता है। ध्यान रखे, पाकिस्तान इसका सदृश्य नहीं है, जबकि चीन ने इसमें

अपना कोई प्रतिनिधि नहीं भेजा। लेकिन जिन 72 देशों के प्रतिनिधि इसमें सम्मिलित हुए वे पूरी शिद्दत से आगे बढ़े तो आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक लड़ाई को मजबूती से आगे बढ़ा सकते हैं। इस लड़ाई का सबक अहम पहलू है विभिन्न देशों और उनकी एजेंसियों के बीच तालमेल और आतंकवादियों तक पहुंचने वाली आधिक मदद पर प्रभावी रोक। विशेषज्ञों का मानना है कि तमाम बाधाओं के बावजूद संयुक्त राष्ट्र प्रस्तावों के तहत जो कुछ तोड़ी बैंदियों लायायी जा सकती, उन्हें की नीति है कि भारत में पिछले कुछ वर्षों से थोड़ी राहत महसूस की जा रही है। इन बदियों के प्रस्ताव को ही एक सुवृत्त यह भी है कि आजकल संयुक्त राष्ट्र के मंच से ऐसी कार्रवाइयों को स्कवाने के लिए आतंकी संठन और उनको हमलदंड शक्तियां पूरा जोर लायाये दे रही हैं। इसी संदर्भ में भारत का वर प्रस्ताव खाली अहम हो जाता है, जो गुहमंती अमित शह ने सम्मेलन के समाप्त सत्र को संबोधित करते हुए रखा कि इस सम्मेलन का एक स्थायी सचिवालय बनाया जाये, जो विभिन्न देशों की ओर से आतंकवाद के खिलाफ उठाए जा रहे कदमों में तालमेल बनाये रखे, ताकि उनके संवर्ण नीति सुनिश्चित किये जा सकें। उम्मीद की जानी चाहिए कि सदस्य राष्ट्र इस प्रस्ताव पर पंजियत ढंग से विचार करें।

### अभिमत आजाद सिपाही

शायद ही कोई कानून या कोई दिशा-निर्देश है जो घरेलू हिंसा या कार्य स्थल पर या फिर घरेलू आधार पर यौन उत्पीड़न से किसी पुरुष की रक्षा करता है। यह भेदभाव हर क्षेत्र में देखा जा सकता है, लेकिन घरेलू और वैवाहिक कानून लाप्पवाही से महिलाओं के पश्च में है। हमारी अदालतें कार्यस्थल या घर पर घरेलू हिंसा, दहेज और यौन उत्पीड़न जैसे मामलों से भरी पड़ी हैं। आश्वर्यजनक रूप से पुरुषों द्वारा दायर किये गये मामले दुर्लभ या नगण्य हैं और इसका कारण हमारी व्यवस्था, कानून और हमारी विचार क्रिया है।

शायद ही कोई कानून या कोई दिशा-निर्देश है जो घरेलू हिंसा या कार्य स्थल पर या फिर घरेलू आधार पर यौन उत्पीड़न से किसी पुरुष की रक्षा कर सकें। एक महिला होने के नाते मैं भारतीय कानून और न्यायपालिका का समान करती हूं, लेकिन मेरा यूद्ध का भी माना है कि हम महिलाएं सब कुछ पुरुषों के बधावर कर रही हैं, तो हम लैंगिक समानतावाद में विश्वास करने नहीं कर सकती? हम इसके बारे में बात करने नहीं कर सकती। महिला सशक्तिकरण समानता की भावना के साथ होता है, लेकिन जब घरेलू स्तर पर या कार्यस्थल पर कोई समस्या होती है, तो हमें पीड़ित की भूमिका करने निभानी पड़ती है। चूंकि कानून और समाज हमेशा ही परंपरागत रूप से कमज़ोर लिंग के रूप में महिलाओं का पक्ष लेता है।

इसलिए कई बार ज़ुटी शिकायतें दर्ज की जाती हैं और कोई बच नहीं पाता। महिलाओं के अधिकारों की सुरक्षा कुछ अलग दिशा ले रही है। अदालतें ज़ूटे मुकदमों से भरी पड़ी हैं।

### अनु शर्मा

हम सभी महिलाओं के अधिकारों के बारे में जानते हैं और हमारा कानून इस तरह से बनाया गया है कि यह केवल महिलाओं की रक्षा करता है। यह भेदभाव हर क्षेत्र में देखा जा सकता है, लेकिन घरेलू और वैवाहिक कानून लाप्पवाही से महिलाओं के पश्च में है।



अपानक जब एक महिला अपने सुसुराल गलों से नाराज होती है, तो वे सबसे खतरनाक दिश्ति में होते हैं, जिसमें परिवार के बुर्जुआ भी शामिल होते हैं, जो कानून से भयभीत रहते हैं। जाहिर-सी बात है कि ज्यादातर पुरुष ऐसे मामलों में तानाव, अवसाद और मानसिक बीमारी से गुजरते हैं। ऐसे मामलों में बच्चों का होना यह दर्शाता है कि जैसे महिलाओं का कोई जैकपांट लग गया है, व्यक्तिक वे लगभग हर चीज की मांग करेंगी, जो पुरुष के पास सिर्फ इसलिए है, क्योंकि वह स-माता-पिता है।

कोई जानकारी नहीं थी? वह किसका इंतजार कर रही थी?

अचानक जब एक महिला अपने सम्मुखील वालों से नाराज होती है, तो वे सबसे खतरनाक दिश्ति में होते हैं, जिसमें परिवार के बुर्जुआ भी शामिल होते हैं, जो कानून से भयभीत रहते हैं। जाहिर-सी बात है कि ज्यादातर पुरुष ऐसे मामलों में तानाव, अवसाद और मानसिक बीमारी से गुजरते हैं। ऐसे मामलों में बच्चों का होना यह दर्शाता है कि जैसे महिलाओं का कोई जैकपांट लग गया है, व्यक्तिक वे लगभग हर चीज की मांग करेंगी, जो पुरुष के पास सिर्फ इसलिए है, क्योंकि वह स-माता-पिता है।

वह कहा दिया या तय किया गया है कि एक बच्चा केवल एक पुरुष की जिम्मेदारी है? बच्चों का होना हमारी संस्कृति में एक अशीर्वाद के रूप में माना जाता है, लेकिन जब चीजें गलत हो जाती हैं, तो उन्हीं बच्चों का उपयोग अपने पिता से उत्तर धन, गुजारा-भत्ता प्राप्त करने के लिए, किया जाता है। कुछ मामलों में तो पूरे परिवार को ही छारे मुकदमों में घसीटा रहा जाते हैं और 10-15 साल क्लिनिकिट भिलने पर भी (जो लगभग नामुमानिक है) महिला पर कोई कार्रवाई नहीं होती।

जब हम पुरुषों के अधिकारों के बारे में बात करते हैं, तो इसका मतलब वह अपने आप ही सब कुछ प्राप्त कर लेंगे, जो उसके पति के पास है। पहले के दिनों में महिलाएं केवल प्रजनन और बच्चों, घर व बच्चों की देखभाल के लिए जिम्मेदारी थीं, लेकिन अब रिश्ति बदल चुकी है और लगभग इस बात पर यकीन भी नहीं करेंगे या हम में से कुछ की माने तो एक आदमी के लिए ऐसा कानून है ही नहीं।

सबसे बड़ा सवाल है कि समानता कहां है? एक आदमी के लिए न्याय कहां है? दहेज रोकथाम कानून भारत में कानून के सबसे अधिक दुरुपयोग वाले प्रावधानों में से एक है और ऐसे महिला अधिकार संस्थानों का उपयोग नहीं करता। लेकिन जबकि उसकी कानूनी संस्थान हैं, जो पीड़ित पुरुषों के अधिकारों के लिए हमारे पास लगभग कोई आदेलन नहीं है। भले ही आप खोज करें तो बहुत कम गैर-सरकारी संसाधन (एम्पीओ) या शायद कुछ संस्थाएं हैं, जो पीड़ित पुरुषों के लिए आगे आती हैं।

एक विकासशील देश के रूप में जहां हम हर जगह नारी शक्ति की बात कर कर रहे हैं और उसके समर्थन भी कर रहे हैं। यह अन्य देशों के लिए हमारे पास लगभग कोई आदेलन नहीं है। इससे पहले एक लैंगिक दुरुपयोग वाले प्रावधानों के लिए एक आदमी का उपयोग करने के लिए आगे आती है।

कुछ मामलों में तो शादी की जब तक नहीं है और 10-15 सालों बाद भी महिला अधिकार संस्थान वाले के लिए न्यायिक विकास वाले का उपयोग होता है। इसकी प्रावधानी के लिए हमारे पास लगभग कोई आदेलन नहीं है। लेकिन जबकि उसकी कानूनी संस्थान है और उसकी कानूनी विवाह की जाती है, तो उसकी विवाह की जाती है।

जब हम पुरुषों के अधिकारों के बारे में बात करते हैं, तो इसका मतलब वह नहीं कि हमारी संस्कृति के बारे में बात करते हैं, तो हमें एक अशीर्वाद के रूप में माना जाता है, लेकिन जब चीजें गलत हो जाती हैं, तो उन्हीं बच्चों का उपयोग अपने पिता से उत्तर धन, गुजारा-भत्ता प्राप्त करने के लिए हमारी भावना चाहीरा है।

एक महिला को कानूनी संस्थान देखने के लिए हमारे पास लगभग कोई आदेलन नहीं है। इससे पहले एक लैंगिक दुरुपयोग वाले को उपयोग करने के लिए एक आदमी का उपयोग करने के लिए हमारे पास लगभग कोई आदेलन नहीं है। इससे पहले एक लैंगिक दुरुपयोग वाले को उपयोग करने के लिए हमारे पास लगभग कोई आदेलन नहीं है।

जब हम पुरुषों के अधिकारों के बारे में बात करते हैं, तो हमें एक अशीर्वाद के रूप में माना जाता है, लेकिन जब चीजें गलत हो जाती हैं, तो उन्हीं बच्चों का उपयोग अपने पिता से उत्तर धन, गुजारा-भत्ता प्राप्त करने के लिए हमारी भावना चाहीरा है।

जब हम पुरुषों के अधिकारों के बारे में बात करते हैं, त













# प्लेटफॉर्म पर घटे गयी मलगाड़ी, बोगी के नीचे ढूने से तीन महिलाओं की मौत

**कोरेइ स्टेशन पर रेस्क्यू जारी : 8 पलटे हुए डिब्बों को लाइन से हटाया गया**

आजाद सिपाही संचाददाता

भुवनेश्वर। एक मालगाड़ी ट्रेन जाजपुर जिले के कोरेइ स्टेशन के प्लेटफॉर्म के ऊपर घटे गयी, जिससे तीन महिलाओं की मौत हो गयी, जबकि कुछ लोग घायल हो गये। सभी को नजदीकी चिकित्सा केंद्र में भर्ती कराया गया है। मृत महिलाओं में से एक पावरी विधायिणी (55) और उनकी बेटी कोरेइ विधायिणी (26)। इसी तरह एक अन्य महिला ही अब जान बीबी (42 वर्ष) है। सभी अपनी बहन के घर जाने के लिए ट्रेन का इंतजार कर रही थीं।

हादसा जाजपुर जिले के कोरेइ स्टेशन पर हुआ। खबरों के मुताबिक मालगाड़ी भद्रक के जाजपुर बोर्डर रोड स्टेशन की ओर आ रही थी। इसी दौरान कोरेइ स्टेशन के इंजन से करीब सात बोगियां अचानक पर ट्रेन के प्लेटफॉर्म सहित अप और और ट्रेन लाइनों पर सारी बोगियां बिखरी गयीं। इसमें तीन लोगों की मौत हो गयी, और बोगी और बोगी वे बगी के नीचे दब गये थे। कई अन्य घायल सभी को



मौके से बचा लिया गया और नजदीकी चिकित्सा केंद्र में भर्ती कराया गया। दुर्घटना के बाद इस मार्ग पर यातायात बाधित हो गया है। क्षतिग्रस्त बगी को हटाने का प्रयास किया जा रहा है। दोपहर 2.25 तक 8 में से 8 पलटे हुए डिब्बों को लाइन से हटा दिया गया है। रेल विधायिकी की रहत ट्रेने इस साथ यातायात को सामाजिक दबाव में बढ़ाया गया है। क्रेन की मदद से ट्रेन लाइन को साफ करने के प्रयास कर रही है। क्रेन दुर्घटना में जान गंवाने वालों के किया जा रहा है। और्डर्स और बोगी वे बगी के नीचे दब गये थे। कई अन्य घायल सभी को

**आश्रितों को मिलेंगे पांच लाख : रेल मंत्री**

रेल मंत्री अधिवक्ता वैष्णव ने एक दबाव में कहा कि कोरेइ में ट्रेन दुर्घटना में जान गंवाने वालों के प्रति गहरी संवेदन। मुतकों के परिजनों को पांच लाख रुपये, गंभीर रूप से घायलों को एक

जेसीवी मशीन से दूटे हुए टुकड़ों को पटरी से उठाया जा रहा है। रेलवे के विषय अधिकारी दुर्घटनास्थल पर पहुंच कर बचाव अधियान की निगरानी कर रहे हैं।

**हेल्पलाइन नंबर जारी**

राजस्व और आपदा प्रबंधन मंत्री प्रमिला मल्लीक को मौके पर जाकर स्थिति की जांच करने का अदेश दिया गया है। रेलवे विधायिकी और से हेल्पलाइन नंबर जारी किया गया है। पूर्व रेलवे ने कोरेइ स्टेशन के लिए नंबर 845589905 जारी किया है। इसी तरह भुवनेश्वर के लिए नंबर 0674-2534020 जारी किया गया है। खुदरा रोड के लिए क्रमांक 0674-2492245 जारी किया गया है। देने की घोषणा की है।

आजाद सिपाही संचाददाता

भुवनेश्वर। पूर्व तरफ रेलवे के खुदरा रोड रेलवे डिवीजन के भद्रक-कापिलास रोड रेलवे सेक्षन के कोरेइ स्टेशन पर सुवह कीरव 6.44 बजे एक मालगाड़ी पटरी से उत्तर गयी। दोनों लाइनों अवरुद्ध हैं रेलवे स्टेशन की इमारत भी पटरी से उत्तरने से क्षतिग्रस्त हो गई।

दुर्घटना राहत ट्रेन और दुर्घटना राहत विकल्प दल को तकाल मौके पर पहुंचने का आदेश दिया गया है। डीआरएम खुदरा रोड अन्य शाखा अधिकारियों के साथ मरमत कार्य के लिए दुर्घटनास्थल पर पहुंच गया है। फंसे हुए यात्रियों को केरिंग सेवाएं प्रदान की जा रही है। उपरोक्त ट्रेन के पटरी से उत्तरने के कारण निम्नलिखित ट्रेनों को रद्द, आशिक रूप से रद्द और डायवर्ट किया गया है।

ट्रेनों का रसीदीकरण :

08411 बालेश्वर-भुवनेश्वर पैसेंजर स्पेशल केनुआपडा तक चलेंगी और शाताब्दी एक्सप्रेस, 12277 हावड़ा-पुरी शाताब्दी एक्सप्रेस, 12821 बांगारीपासी-भुवनेश्वर एक्सप्रेस बद्रक तक चलेंगी और भद्रक और भुवनेश्वर के बीच रद्द रहेंगी। 18021 खड़गापुर-खुदरा एक्सप्रेस बद्रक तक चलेंगी और भद्रक और भुवनेश्वर के बीच रद्द रहेंगी।

ट्रेनों का आशिक रसीदीकरण:

08411 बालेश्वर-भुवनेश्वर-बालेश्वर-ब्रह्मपुर-भुवनेश्वर पैसेंजर स्पेशल, 08412 भुवनेश्वर-बालेश्वर पैसेंजर स्पेशल

ट्रेनों का आशिक रसीदीकरण:

12074 भुवनेश्वर-हावड़ा एक्सप्रेस के बीच रसीदीकरण जानुर तक चलेंगी और जाजपुर के डेरिंग सेवाएं प्रदान की जा रही है। 12278 पुरी-हावड़ा एक्सप्रेस के बीच रसीदीकरण जानुर तक चलेंगी और जाजपुर के डेरिंग सेवाएं प्रदान की जा रही है। 12279 पुरी-हावड़ा एक्सप्रेस के बीच रसीदीकरण जानुर तक चलेंगी और जाजपुर के डेरिंग सेवाएं प्रदान की जा रही है। 12280 बैंगलुरु-संबलपुर एक्सप्रेस के बीच रसीदीकरण जानुर तक चलेंगी और जाजपुर के डेरिंग सेवाएं प्रदान की जा रही है।

ट्रेनों का डायवर्जन:

18046 हैदराबाद-शालीमार ईस्ट कोस्ट एक्सप्रेस के बाया जाखपुरा-जरोली-टाटा के बीच रसीदीकरण जानुर तक चलेंगी। 18477 पुरी-ऋषिकेश कालिंग उत्कल एक्सप्रेस का मार्ग परिवर्तन अंगुल-संबलपुर शहर-जारसुगुडा होकर किया जायेगा। 20890 तिरुपति-हावड़ा एक्सप्रेस का मार्ग परिवर्तन अंगुल-संबलपुर शहर-जारसुगुडा के रसीदे डायवर्ट किया जायेगा। 12074 बांगलुरु-हावड़ा दुर्घटना एक्सप्रेस के बीच रसीदीकरण जानुर तक चलेंगी। 122305 बैंगलुरु-जसीडीह एक्सप्रेस के बाया जाखपुरा-जरोली-टाटा मार्ग पर चलेंगी। 15906 डिब्रुगढ़-कन्याकुमारी बारसाता जिली-टाटा मार्ग पर चलेंगी। 22823 भुवनेश्वर-नवी राजधानी एक्सप्रेस का मार्ग परिवर्तन अंगुल-संबलपुर शहर-जारसुगुडा होकर किया जायेगा। 12073 बालेश्वर-बालेश्वर-ब्रह्मपुर-भुवनेश्वर पैसेंजर स्पेशल के बीच रसीदीकरण जानुर तक चलेंगी। 12284 बैंगलुरु-हावड़ा एक्सप्रेस के बाया जाखपुरा-जरोली-टाटा के रसीदे डायवर्ट किया जायेगा। 122305 बैंगलुरु-जसीडीह एक्सप्रेस के बाया जाखपुरा-जरोली-टाटा मार्ग पर चलेंगी। 15907 डिब्रुगढ़-जाखपुरा-जरोली-टाटा मार्ग पर चलेंगी। 12075 बालेश्वर-बालेश्वर-ब्रह्मपुर-भुवनेश्वर पैसेंजर स्पेशल के बीच रसीदीकरण जानुर तक चलेंगी। 12285 बैंगलुरु-हावड़ा एक्सप्रेस के बाया जाखपुरा-जरोली-टाटा मार्ग पर चलेंगी। 12286 बैंगलुरु-हावड़ा एक्सप्रेस के बाया जाखपुरा-जरोली-टाटा के रसीदे डायवर्ट किया जायेगा। 12287 बैंगलुरु-पुरी नीलाचल एक्सप्रेस को टाटा-नयागढ़-जाखपुरा के बाया जाखपुरा-जरोली-टाटा मार्ग पर चलेंगी। 12288 बैंगलुरु-पुरी नीलाचल एक्सप्रेस के बाया जाखपुरा-जरोली-टाटा मार्ग पर चलेंगी। 12289 बैंगलुरु-हावड़ा एक्सप्रेस के बाया जाखपुरा-जरोली-टाटा मार्ग पर चलेंगी। 12290 बैंगलुरु-हावड़ा एक्सप्रेस के बाया जाखपुरा-जरोली-टाटा मार्ग पर चलेंगी। 12291 बैंगलुरु-हावड़ा एक्सप्रेस के बाया जाखपुरा-जरोली-टाटा मार्ग पर चलेंगी। 12292 बैंगलुरु-हावड़ा एक्सप्रेस के बाया जाखपुरा-जरोली-टाटा मार्ग पर चलेंगी। 12293 बैंगलुरु-हावड़ा एक्सप्रेस के बाया जाखपुरा-जरोली-टाटा मार्ग पर चलेंगी। 12294 बैंगलुरु-हावड़ा एक्सप्रेस के बाया जाखपुरा-जरोली-टाटा मार्ग पर चलेंगी। 12295 बैंगलुरु-हावड़ा एक्सप्रेस के बाया जाखपुरा-जरोली-टाटा मार्ग पर चलेंगी। 12296 बैंगलुरु-हावड़ा एक्सप्रेस के बाया जाखपुरा-जरोली-टाटा मार्ग पर चलेंगी। 12297 बैंगलुरु-हावड़ा एक्सप्रेस के बाया जाखपुरा-जरोली-टाटा मार्ग पर चलेंगी। 12298 बैंगलुरु-हावड़ा एक्सप्रेस के बाया जाखपुरा-जरोली-टाटा मार्ग पर चलेंगी। 12299 बैंगलुरु-हावड़ा एक्सप्रेस के बाया जाखपुरा-जरोली-टाटा मार्ग पर चलेंगी। 12300 बैंगलुरु-हावड़ा एक्सप्रेस के बाया जाखपुरा-जरोली-टाटा मार्ग पर चलेंगी। 12301 बैंगलुरु-हावड़ा एक्सप्रेस के बाया जाखपुरा-जरोली-टाटा मार्ग पर चलेंगी। 12302 बैंगलुरु-हावड़ा एक्सप्रेस के बाया जाखपुरा-जरोली-टाटा मार्ग पर चलेंगी। 12303 बैंगलुरु-हावड़ा एक्सप्रेस के बाया जाखपुरा-जरोली-टाटा मार्ग पर चलेंगी। 12304 बैंगलुरु-हावड़ा एक्सप्रेस के बाया जाखपुरा-जरोली-टाटा मार्ग पर चलेंगी। 12305 बैंगलुरु-हावड़ा एक्सप्रेस के बाया जाखपुरा-जरोली-टाटा मार्ग पर चलेंगी। 12306 बैंगलुरु-हावड़ा एक्सप्रेस के बाया जाखपुरा-जरोली-टाटा मार्ग पर चलेंगी। 12307 बैंगलुरु-हावड़ा एक्सप्रेस के बाया जाखपुरा-जरोली-टाटा मार्ग पर चलेंगी। 12308 बैंगलुरु-हावड़ा एक्सप्रेस के बाया जाखपुरा-जरोली-टाटा मार्ग पर चलेंगी। 12309 बैंगलुरु-हावड़ा एक्सप्रेस के बाया जाखपुरा-जरोली-टाटा मार्ग पर चलेंगी। 12310 बैंगलुरु-हावड़ा एक्सप्रेस के बाया जाखपुरा-जरोली-टाटा मार्ग पर चलेंगी। 12311 बैंगलुरु-हावड़ा एक्सप्रेस के बाया जाखपुरा-जरोली-टाटा मार्ग पर चलेंगी। 12312 बैंगलुरु-हावड़ा एक्सप्रेस के बाया जाखपुरा-जरोली-टाटा मार्ग पर चलेंगी। 12313 बैंगलुरु-हावड़ा एक्सप्रेस के बाया जाखपुरा-जरोली-टाटा मार्ग पर चलेंगी। 12314 बैंगलुरु-हावड़ा एक्सप्रेस के बाया जाखपुरा-जरोली-टाटा मार्ग पर चलेंगी। 12315 बैंगलुरु-हावड़ा